Conference on Water Management in Banswara, Rajasthan

As a part of awareness building on diverse subjects, Gramin Vikas Trust organised Focused Discussion on water management with farmers on 16th April 2013 in Banswara District. Senior officials from District Authority attended the event and shared their views on management of water in context of Banswara. During the event, emphasis was laid on forest conservation and dependence of tribal community on forest produce. It was shared by District Representative from Forest Department that livelihoods in Tribal areas is closely connected with Forests and thus formation of Forest Protection Committees is important for maintenance and protection of forests. Community was sensitised about controlled utilisation of water; mostly for the purpose of farming and gardening. Participants were also summarised about the case study of country like Israel where despite of low rainfall, community has been able to manage the water in significant manner and production of fruits & vegetable is exemplary. Further, participatory implementation of watershed programme was appreciated and construction of Check dam under MGNREGA was given utmost importance by the farmers as well as District representatives.

CEO, Zila Parishad said that forests are important for rainfall and forest is the most important resource for the tribal. He also said that Deforestation can result in extinction of livelihoods and as a result can lead to food crisis and poverty in tribal areas. He later stressed on serious consequences due to water scarcity.

122 farmers from various Blocks of Banswara District participated in the event. In the end, Komi Mata SHG from Kushalgarh Block and Kalika Mata SHG from Peepalkhoont Block were felicitated with Crusher.

News clippings of the Event attached as below.

अर्जेन्ट टाईम्स
झुंगरपुर, बुधवार
17 अप्रेल,
2013
4

जल प्रबन्ध में अन्ना प्रेरणा पुरुष : नाहटा

जीवीटी की जल प्रबंधन पर किसान गोष्ठी

बांसवाड़ा, 16 अप्रेल। जीवन में समृद्धि बहाली के साथ ही पर्यावरण शुद्धि की दिशा में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वन है तो जीवन है। सघन वनों से आच्छादित रहे बांसवाड़ा को चेरापूंजी कहा जाता रहा है ऐसे में भरपुर वर्षा के लिए वनों का होना जरूरी है। इस बात को हमें समझ कर वृक्षारोपण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना होगा। यह विचार मंगलवार को ग्रामीण विकास ट्रस्ट की जल प्रबन्धन को लेकर आयोजित किसान गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे उपवन संरक्षण नरपतसिंह चौधरी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह से वनों पर आश्रित रहा है। ऐसे में वन सुरक्षा समितियों के माध्यम से वनों के विस्तार की महती आवश्यकता है। चौधरी ने कहा कि सघन वन ही वर्षा को अपनी ओर आकृष्ट करते हैं। ऐसे में किसानों को चाहिए की वह वृक्षारोपण के साथ ही पानी के महत्व को समझे उसके अपव्यय से बचे और उसका नियंत्रित उपयोग करते हुए खेती और बागवानी में अधिकाधिक उपार्जन करें। इसके लिए उन्होंने इजराईल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां सबसे कम वर्षा होने के बावजूद भी जल के सुव्यवस्थित प्रबंध से भरपुर फल-फुल और सब्जियों का उत्पादन होता है। उन्होंने वाटरशेड़ योजना की सफल क्रियान्विति को महत्त्वपूर्ण बताया तथा महानरेगा के तहत मेडबंदी छोटे चेकडेम के निर्माण की आवश्यकता प्रतिपादित की। गोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजयसिंह नाहटा ने कहा कि अच्छी वर्षा के लिए वृक्ष जरूरी है। आदिवासी का सच्चा साथी वन संपदा है। वनोपज पर उसका पूरा हक है। ऐसे में वनों के अभाव में आजिविका पर संकट गहराना स्वाभाविक है इस बात को आत्मसात किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पानी का अभाव होगा, उपयोग करने वाले ज्यादा होगे तो संघर्ष के हालात पैदा होगे ऐसे में हमें अन्ना हजारे से प्रेरणा लेकर देश में उनके अनुभव से लाभ लेना समय की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अन्ना हजारे के नैतृत्व में राणेगांव सिद्धि में जल प्रबन्धन के जो काम हुए है उससे लोगों की आर्थिक समृद्धि बहाल हुई हैऔर लोगों को जल संकट से भी निजात मिला है वहाँ कम पानी में अधिक पैदावार कैसे की जा सके इसके सफल प्रयोग भी वहां सार्थक परणिति तक पहुंचे है। किसान गोष्ठी में कृषि विभाग के सहायक निदेशक रामसेवक बघेल, ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक हरेन्द्र कुमार तोमर, परियोजना समन्वयक उदयलाल गुर्जर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन कन्हैयालाल रावल कर रहे थे। इस अवसर पर ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारियों में नितिन जोशी, नरेन्द्र नागर, नरेन्द्र जगतार, ओमप्रकाश बैरवा आदि मौजूद थे। किसान गोष्ठी में 122 संभागियों ने भाग लिया इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से से कुशलगढ़ ब्लॉक के कोमीमाता समूह तथा पीपलखूंट ब्लॉक के कालिका माता समूह को क्रेसर प्रदान किए गए।

बांसवाड़ा। ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से आयोजित जल प्रबन्धन किसान गोष्ठी को मुख्यअतिथि पद से संबोधित करते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजयसिंह नाहटा तथा उपस्थित संभागी।

पत्रिका मानव मित्र संस्थान | अमृतम् जलम् अभियान के तहत जल प्रबंधन पर किसान गोष्ठी
राजस्थान पत्रिका
बांसवाड़ा . बुधवार
17.04.2013
बांसवाड़ा

पानी बचाने का संकल्प

अमृतम् जलम्

'नई क्रांति लाएगी पत्रिका की मुहिम'

बांसवाड़ा. पानी नहीं हो तो कोई लड़की नहीं देता, कोई रिश्तेदार मिलने नहीं आता, और लोग पलायन को मजबूर हो जाते है। जल के संरक्षण से ही जीवन को संवारा जा सकता है। पर्याप्त जल से ही घर-परिवार सहित क्षेत्र की आर्थिक उन्नति संभव है। इस मामले मे बांसवाड़ा क्षेत्र काफी अच्छी स्थिति में है, बावजूद इसके जल संरक्षण के प्रति लापरवाही बरती गई तो आने वाले समय में कुछ यही परिस्थितियां यहां हो सकती है। पानी का अपव्यय हो रहा है और इसे रोकने की जरूरत है। स्वयं भी पानी बचाएंगे और आस-पड़ोस और रिश्तेदारों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। यह संकल्प पत्रिका मानव मित्र संस्थान के अमृतम् जलम् अभियान व ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित किसान गोष्ठी में शामिल होने आए किसानों ने लिया। इसमें बड़ी संख्या में महिला किसान भी शामिल थी। गोष्ठी की अध्यक्षता डीएफओ नरपतसिंह ने की एवं मुख्य अतिथि मुख्य जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी विजयसिंह नाहटा थे। अध्यक्ष सिंह ने कहा कि जल संरक्षण से ही हर काम संभव है। जल बचेगा तो वन बढ़ेंगे तथा इससे क्षेत्र में हरयाली आएगी। उन्होंने इजराइल देश का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के किसान कम जल होने के बावजूद उसका पूरा उपयोग करते हुए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर है। इससे पूर्व गोष्ठी का आरंभ मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम समन्वयक एच.के. तोमर ने किया। उन्होंने ग्रामीण विकास ट्रस्ट के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में, और गांव का पानी गांव में ही का नारा दिया। तोमर ने पाल बंदी, गहरी जुताई, मेड़बंदी आदि के बारे में बताया। मुख्य अतिथि मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाहटा ने कहा कि जल का महत्व सबसे ज्यादा किसान ही जानते व समझते है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रुप से उपलब्ध जल का उपयोग सही तरीके से नहीं किया जाएगा तो आने वाले समय में पानी की मारामारी हो सकती है। उन्होंने पंचायत समिति तथा ग्राम पंचायत स्तर पर जलदूत बनाने की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया इन जलदूतों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में जल प्रबंधन की जानकारी मिल सकेगी।

पत्रिका मानव मित्र संस्थान के अमृतम जलम अभियान और जीवीटी की ओर से आयोजित गोष्ठी में उपस्थित किसान।

किसानों ने भी दिए सुझाव

कुशलगढ़ के किसान देवीसिंह ने बताया कि जल संरक्षण तथा भूजल स्तर में सुधार के लिए वनक्षेत्रों में सरकार की ओर से अधिकाधिक चैकडेम बनाए जाएं। एक अन्य महिला किसान ने नाबार्ड व वन विभाग की मदद से पेड़ लगाने का सुझाव दिया। नाबार्ड के विशेष प्रोजेक्ट के तहत कौमी माता स्वयं सहायता समूह, पाडला तथा कालिका माता स्वयं सहायता समूह कालीघाटी को मक्का थ्रेसर मशीने दी गई। वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक उदयलाल गुर्जर, कृषि अधिकारी रामसेवक बघेल,

किसान गोष्ठी में मंचासीन विजयसिंह नाहटा, नरपत सिंह व अन्य अतिथि।

डायलाब अभियान से प्रेरणा लेने का आह्वान

संगोष्ठी के दौरान न केवल अतिथियों ने बल्कि कार्यक्रम में शामिल किसानों ने भी पत्रिका मानव मित्र संस्थान के अमृतम जलम अभियान के तहत डायलाब तालाब के हो रहे विकास की सराहना करते हुए इससे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इनका कहना था कि इस प्रकार सामाजिक कार्य से न केवल समाज में एक अच्छा संदेश जाता है वहीं ऐतिहासिक धरोहरों का भी संरक्षण होता है। तालाब साफ होने से निश्चित रूप से शहर में जल का एक नया स्त्रोत भी उपलब्ध होगा। इसके लिए अमृतम जलम अभियान एक सशक्त भूमिका निभा रहा है।

ट्रस्ट सदस्य नरेन्द्र जगताप, नीतिश जोशी, ओ.पी. बैरवा, हरीश मुईड़ा आदि उपस्थित थे। बागड़ी में गोष्ठी का संचालन कर रहे कन्हैयालाल रावल ने आकर्षक तरीके से किसानों व महिलाओं को जल संरक्षण के बारे में बताया तथा कहा कि पत्रिका मानव मित्र संस्थान की मुहिम नई क्रांति लेकर आएगी।

जल प्रबन्धन पर गोष्ठी आज

अमृतम् जलम्

सुभाष नगर कार्यालय में सुबह 11:30 बजे

बांसवाड़ा. पत्रिका मानव मित्र संस्थान की ओर से आयोजित अमृतम् जलम् अभियान के तहत ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सहयोग से मंगलवार को जल प्रबन्धन पर किसान गोष्ठी का आयोजन होगा। गोष्ठी में कृषि व वन विभाग के अधिकारी जल प्रबन्धन के बारे में किसानों के साथ संवाद करेंगे। कार्यक्रम प्रबन्धक एच के तोमर ने बताया कि गोष्ठी सुबह 11:30 बजे सुभाष नगर स्थित कार्यालय परिसर में होगी।

बैठक 21 को

राजस्थान पत्रिका
बांसवाड़ा . मंगलवार
16.04.2013
बांसवाड़ा